Sixteenth Loksabha

an>

title: Need to engage private institutions or social service organizations to provide Mid-day meals in the schools of Rajasthan.

श्रीमती संतोष अहलावत (झुंझुनू): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करना चाहूँगी कि आपने मुझे शून्य काल में इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया। मैं आपके माध्यम से सदन का और माननीय मंत्री जी का ध्यान स्कूलों में मिलने वाले मिड डे मील की तरफ दिलाना चाहती हूँ। सरकार के द्वारा चलाई जा रही इस योजना का मैं समर्थन करती हूँ। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, अभी स्कूलों में मिड डे मील की व्यवस्था अध्यापकों द्वारा की जाती है जिसमें स्कूल के अध्यापकों का अधिकांश समय मिड डे मील को तैयार करने में लग जाता है। पहले कभी अगर विभाग की जांच आती थी तो स्कूल की पढ़ाई का स्तर देखा जाता था। आजकल जो इंस्पैक्शन होता है, सबसे पहले पूछा जाता है कि मिड डे मील कैसा बना है, रसोई की व्यवस्था कैसी है, खाद्य सामग्री कहाँ है। मेरा मानना है कि इससे अध्यापकों का अधिकांश समय नष्ट होता है और सीधा-सीधा जो सामान खुर्द-बुर्द कर देते हैं, वह भी राष्ट्र का एक नुकसान है। मेरा निवेदन है कि मिड डे मील व्यवस्था का रिव्यू किया जाए। यह किसी प्राइवेट संस्थानों को दें या क्या करें, यही मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूँ। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री अर्जुन लाल मीणा एवं

श्री शरद त्रिपाठी को श्रीमती संतोष अहलावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री मोहम्मद बदरुद्दोज़ा खान - उपस्थित नहीं।

श्रीमती रमा देवी।

...(व्यवधान)